CPL - 01

December - Examination 2015

CPL Examination

प्राकृत साहित्य का इतिहास

Paper - CPL - 01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Section - A 10 x 2 = 20

निर्देश : अतिलघु उत्तरीय प्रश्न, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 (दो) अंक का होगा। प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द है।

1) (i) 'अंगविज्जा' ग्रन्थ का विषय बताइए।

(ii) आप्त की वाणी क्या कहलाती है ?

(iii) उपासकदशा द्वादशांगी में किसका वर्णन हुआ है ?

(iv) श्रावकाचार के सन्दर्भ में अतिचार शब्द का अर्थ क्या है ?

(v) यादववंश का प्रागैतिहासिक विवरण किस उपांग में वर्णित है ?

(vi) मूलसूत्रों के नाम लिखिए।

(vii) समयसार के रचियता कौन है ?

(viii) प्राकृत कथा साहित्य में लोककथा के प्रमुख तीन तत्त्व बताइये।

(ix) शिलालेखों का विवरण महत्वपूर्ण क्यो है ?

(x) प्रज्ञापना सूत्र को किस विशेषण से विभुषित किया है ?

Section - B

4 x 10 = 40

निर्देश : लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी को कोई 4 (चार) करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10(दस) अंकों का होगा। उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द होगी।

2) आगम शब्द की परिभाषा दीजिए।

3) 'जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति' के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4) नियमसार के रचियता कौन है ? इस ग्रन्थ का मुख्य विषय क्या है ?

5) 'अष्टपाहुड' में कितने ग्रन्थ सम्मिलित है ? नाम लिखिए।

6) बहिरात्मा ओर अन्तरात्मा को समझाइए।

7) 'चन्द्रप्रज्ञप्ति' (चंदपण्णती) उपांग की विशेषताएँ बताइए।

8) द्वितीय स्तर प्राकृत की क्या देन है ? समझाइअे।

9) 'स्वयंभू छन्द' का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

Section - C

2 x 20 = 40

निर्देश : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 (दो) प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 (वीस) अंकों का होगा। उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होंगी।

10) मथुरा के शिलालेखों की क्या विशेषता है ? विस्तार से समझाइए।

11) छेद–सूत्रों का सामान्य परिचय देते हुए इनकी विषय–वस्तु की विवेचना कीजिए।

12) आगम शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए शौरसेनी आगम कंषायपाहुड' का विस्तार से वर्णन कीजिए।

13) अंग आगम साहित्य का सामान्य परिचय देते हुए आचारांग (आयारो) पर विस्तार से लेख लिखिए।

———